

*Believe in yourself and all that you are.  
Know that there is something inside you that is greater than any obstacle.*

## Investiture Ceremony



A moment of pride and honor as new leaders  
are vested with responsibilities during the  
investiture ceremony.





# Teej Celebration



**Embracing the spirit of Teej with vibrant colors,  
joyful beats, and timeless traditions.**







# Kargil Vijay Diwas



Saluting the  
Bravehearts!



Remembering the valor and sacrifice of our soldiers.

## Rooting for a Greener Future



Let's sow the seeds of  
a better tomorrow  
together





# **A Nukkad Natak Celebrating World Nature Conservation Day**



***Let's preserve our planet's precious biodiversity  
and cherish every living being***





# Endeavour

## Orientation Program

BCM School organised an Orientation Program on 'Coparenting for Better Future' for parents of garde II. The commencement of the event was marked by a welcome speech. The program aimed to foster a strong partnership between parents and the school, creating a conducive environment for the success and well-being of the students. The School Principal, Dr. Vandna Shahi, acquainted the parents with strategies to enhance parental involvement in the educational journey, emphasizing the significance of open communication between home and school. She also added that our goal is to establish a collaborative community that nurtures each student's unique potential. The School Headmistress Ms. Shilpi briefed the parents with the guidelines related to Scholastic & Co-scholastic areas of the School. Overall, the session equipped the parents with essential knowledge and strategies to foster a supportive coparenting environment for the better future of their children.



---

## Career Guidance and Counselling for classes X and XII.

BCM School took a significant step towards empowering its students by organizing a highly insightful Career Guidance and Counselling session for classes X and XII. The session was led by the renowned Mr. Sumit Wason, a certified Career Coach with a remarkable track record of guiding over 5000 students across India. During the session, Mr. Wason adeptly navigated the students through the intricate process of career planning, shedding light on emerging new-age careers and the skill requirements of future workplaces. Emphasizing the importance of hands-on experience, he encouraged students to actively participate in internship programs, as they provide invaluable opportunities to understand work culture and refine essential skills. With this exceptional initiative, BCM School sets a benchmark in fostering a supportive environment for its students' career exploration and growth, promising a brighter and more prosperous future for every individual.







## Parents' Corner

### मेरा स्कूल का सफर

तब थे नन्हे कदम, मेरा सहम गया मन,  
पता चला जब, मेरा स्कूल में  
एडमीशन करा दिया ।  
घर पर अच्छी भली थी, मौज की  
लगी फुलझड़ी थी,  
मम्मी पापा ने मिलकर मुझे अपने जाल में फसा दिया।  
सबकी एक सी यूनीफॉर्म, कोई जान न पहचान,  
इन फौजियों की पलटन में, जाने क्यों  
मेरा नाम लिखवा दिया।  
कक्षा मेरी आ गई, मैं तो और ज्यादा  
घबरा गई।  
हो जाऊँगी बंद अब, मुझे क्यों इस जेल में डलवा दिया।  
होंठ मैंने उठा लिए, आँसू आँख मे आ लिए। तभी मुझे मम्मी जैसी, एक मैडम ने गले से लगा लिया।  
वह मेरी कक्षा की मैडम थी, बड़ी प्यारी थी, न्यारी थी।  
इतना प्यार दिया मुझे कि, मैंने सब कुछ भुला दिया।  
अब मैं रोज़ स्कूल में आती हूँ, पढ़-लिखकर जाती हूँ।  
हस्ते खेलते मैडम ने मुझे, सारा पाठ पढ़ा दिया।  
जेल नहीं वह मंदिर है, भगवान शिक्षक के अंदर है।  
सब शिक्षकों को करूँ प्रणाम, जिन्होंने मुझे मुझ से मिला दिया।  
बढ़ रहे हैं मेरे नन्हें कदम, बहुत खुशहोता है अब मन।  
थैंक यू मम्मी पापा, जो मेरा इस स्कूल में एडमीशन करा दिया।  
थैंक यू मम्मी पापा, जो मेरा इस स्कूल में एडमीशन करा दिया।

Mr. Rajiv Logani  
F/O Shivanshi Logani  
III Rose





# Teachers' Corner

## NCF POEM

- \*सोच-समझकर किए गए कार्य को teaching कहते हैं, जो शिक्षक teaching के लिए अच्छी planning करें, बच्चे उन्हें Best teacher कहते हैं।
- \*बेहतरीन teaching plan के लिए competencies, Learning Objective, Learning outcomes ज़रूरी भाग हैं, साथ-साथ रोचक activities हो जाएँ तो क्या ही बात है।
- \*अदिति, बोध, अभ्यास, प्रयोग और प्रसार पंचादी कहलाती है, यह पाँच चरण की वह सीढ़ी है जो, learning process तैयार करवाती है।
- \* Teaching Plan अच्छा वही, जिसमें सब बच्चे engaged हों, भले ही उनके भिन्न-भिन्न interest, भिन्न-भिन्न pace हों।।
- \*इसलिए differentiated instructions हैं ज़रूरी, वरना learning रह जाएगी अधूरी। (differentiated learning means, to create teaching plan according to individual needs)
- \*उदाहरण के तौर पर अगर शिक्षक पौधे संबंधी कोई activity करवाएँ तो Differentiated instructions की नीति अपनाएँ।।
- \*अलग-अलग abilities वाले students के अलग-अलग group बनाएँ। एक group पौधों के रंग, गंध और आकार के बीच का अंतर बताए पाए, तो दूसरा group उनको छू कर-देखकर उनका नाम बताए और वहीं तीसरा group उन पौधों की तस्वीर बनाकर उनको उचित label कर पाए।।
- \*Planning में एक कदम और आगे बढ़ें तो आता है, scaffolding and gradual release of responsibility.  
(scaffolding means providing support & guidance during instructions.)  
I do it (मैं करता हूँ)  
we do it (हम करते हैं)  
You do it (मैं देखता हूँ आप करें)  
You do it alone (आप स्वयं करें)  
शिक्षक इस प्रक्रिया को अपनाकर gradual release of responsibility करें।
- \*चलिए अब बात करते हैं शिक्षकों और बच्चों के बीच एक positive relationship की।
- \*बच्चों की मनोवृत्ति भी न्यायी है, वे तेज़ हैं, बुद्धिमान हैं, सवालों की लगाते भरमार हैं। कभी चुपचाप बैठे चीज़ें observe करते हैं,  
तो कभी- कभी कूदफांद करते हैं,  
कभी खामोशी से कहानी का आनंद लेते हैं, तो कभी मिनटों में ही, interest खो देते हैं।।
- \*ऐसे में अच्छे शिक्षक वही जो हर बच्चे को सुनने, समझने और जानने का बीड़ा उठा लेते हैं। अंत में;
- \*शिक्षक, बच्चे का परिवार और local community करें प्रयास, मिलकर तभी आने वाले कल के लिए होगा एक बेहतरीन Human Resource तैयार  
॥ धन्यवाद ॥

Ms. Shivani Sharma  
PRT English





# Students' Corner

## Success

If you always try your best,  
You will get always success.  
If you always try hard,  
Success is not so far.  
If you always try honestly,  
Success gives you peace and mastery.

Pragun Sharma  
III Rose



## Students' Achievements

**Success is never final, Failure is never fatal. It's courage that counts**



Divyanshi (IV Marigold) got *first prize* in Tumhara Platform Hamara Talent Hunt, organized by Bala Ji Productions in DCM YES School (Ludhiana)



Kiratpreet Kaur(IV Rose)bagged *first position* in "Amritsar Super Star Talent Hunt Show" organized by "Dogra Empire & JD King Crew" held at "Celebration Mall, Batala Road, Amritsar".



Ikjot Singh (X Jasmine) and Taranjot Singh (VII Daisy) got *first* and *second* position respectively in Zonal Dharmik Mukable- 2023 Competition held by Sikh Missionary College.







Mohit Verma of XI Sci won *consolation* prize ( Senior category) in Inter School Poster Making Competition held at Ludhiana Club on the occasion of Van Mahotsav.



Mohit Verma (XI Sci)got *Appreciation* award in State Level Painting Competition at BCM Arya.



Ishan Grover won *Gold medal* in an event 'Kumite' and got selected for the National Karate championship at Goa.

**Our School Students bagged following positions in the competition held at Air Force School, Halwara**

ENGLISH POEM RECITATION	Second Position	Sahibdeep Singh	III Rose
EK PAL KAHKAHO BHARA – (Hasya Put Vigyapan)	First Position	Harkirat Gurvansh Singh Gurjot kaur Srishti Gurtej Kaur	VI Daisy VII Rose VII Rose VIII Rose VIII Daisy
SHADES AND TRAITS (Portrait sketching)	Second Position	Yuvraj Singh Channa	XI Science A



## Inter House Vedic Declamation

HOUSE	STUDENT NAME	POSITION
Shalimar	Parneet Sodhi	First
Pukhraj	Dilpreet	First
Pukhraj	Prasha	Second
Kohinoor	Divyanka	Consolation







## Career Column

While MBBS and BDS are some of the most common choices of medical courses after the 12th in India, many medical and paramedical courses do not require NEET for admission. These medical courses without NEET are best for students who couldn't qualify for NEET or don't want to pursue MBBS/BDS.

The best medical courses without NEET include

BSc Nursing,  
BSc Biotechnology,  
Bachelor of Physiotherapy, Bachelor of Pharmacy,  
BSc Psychology,  
BSc Biomedical Sciences  
Biotechnologist  
Biomedical Engineer  
Micro-biologist  
BSc Anaesthesia  
Psychologist  
Cytogeneticists  
Physiotherapy  
Medicinal Chemistry

---

### ਹੈਰਾਨੀਜਨਕ ਤੱਥ

- \* ਮਨੁੱਖੀ ਦੰਦ ਸਰੀਰ ਦਾ ਇਕੋ ਇੱਕ ਹਿੱਸਾ ਹਨ, ਜੋ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ।
- \* ਬਰਫ ਦਾ ਤੁਫ਼ਾਨ 80 ਮੀਲ ਪ੍ਰਤੀ ਘੰਟੇ ਦੀ ਰਫ਼ਤਾਰ ਤੱਕ ਸਫ਼ਰ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ
- \* ਬਿੱਲੀ ਦੀਆਂ ਲੱਗਭੱਗ ਦੱਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਹੱਡੀਆਂ ਉਸਦੀ ਪੂਛ ਵਿੱਚ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।
- \* ਬਲੈਕ ਸਪੇਟ ਇੱਕ ਅਜਿਹਾ ਫ਼ਲ ਹੈ ਜਿਸਦਾ ਸਵਾਦ ਚਾਕਲੇਟ ਪੁਡਿੰਗ ਵਰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- \* ਰੋਂਗਣ ਵਾਲੇ ਸਾਰੇ ਜਾਨਵਰ ਕੁਦਰਤੀ ਆਫ਼ਤਾਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ।





# Exploration

## जीवन में संस्कारों का महत्व

संस्कार दो शब्दों का मेल है सम+कार अर्थात् सम का मतलब सम्यक या अच्छा और कर का मतलब कृति या कार्य, इस प्रकार संस्कार यानि अच्छा कार्य । संस्कार का सामान्य अर्थ है-किसी को संस्कृत करना या शुद्ध करके उपयुक्त बनाना। किसी साधारण या विकृत वस्तु को विशेष क्रियाओं द्वारा उत्तम बना देना ही उसका संस्कार है। वहीं आध्यात्मिक अर्थ में मन, वचन, कर्म और शरीर को पाक पवित्र करना, हमारी प्रवृत्तियों और मनोवृत्तियों को शुद्ध व सभ्य बनाना संस्कार होता है और व्यावहारिक अर्थ में सद्गुणों को बढ़ाना व दुर्गुणोंको घटाना और अच्छी आदत लगाना व बुरी आदत छोड़ना संस्कार है । संस्कार से ही हमारा सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन पुष्ट होता है और हम सभ्य कहलाते हैं। व्यक्तित्व निर्माण में संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संस्कार विरुद्ध आचरण असभ्यता की निशानी है। मनुष्य जन्म के समय विशुद्ध प्रकृति होता है , संस्कार मिलने से संस्कृति और विकार मिलने से उसमें विकृति आ जाती है। इस प्रकार अच्छे-बुरे संस्कार होने के कारण मनुष्य अपने जीवन में अच्छे-बुरे कर्म करता है, फिर इन कर्मों से अच्छे-बुरे नए संस्कार बनते रहते हैं तथा इन संस्कारों की एक अंतहीन श्रृंखला बनती चली जाती है, जिससे मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण होता है। व्याहारिक दृष्टि से संस्कार का अर्थ इस उदाहरण से भी समझा जा सकता है जैसे की केला खा कर छिलका फेंक देना एक साधारण कृति है, केला खा कर छिलका कूड़ेदान में फेंक देना प्रकृति है, केला खा कर छिलका सड़क पर फेंक देना विकृति है और दूसरे व्यक्ति द्वारा केला खा कर सड़क पर फेंका गया छिलका उठा कर कूड़ेदान में डालना संस्कृति है या यूँ कहें कि भूख लगना और खाना खाना प्रकृति है, दूसरे का खाना खाना विकृति है और भगवानको अर्पित करके खाना खाना संस्कृति है। संस्कार पूर्णतया विरासत में मिलते हैं, बच्चे माता-पिता से सबसे ज्यदा सीखते हैं फिर अपने गुरुजनों से और फिर अपने नजदीक के वातावरण और अपने दोस्तों से सीखते हैं। बच्चे के पहले गुरु माता-पिता होते हैं अतः सर्वप्रथम माता-पिता को धर्म-स्वरूप व संस्कारी बनना चाहिए, जैसा कार्य माता-पिता करेंगे वैसा ही बच्चे करेंगे ;जैसे गुण आपके होंगे , बच्चे वैसा ही सीखेंगे । अच्छे बुरे की पहचान का विवेक और उनमें अंतर समझने योग्य संस्कार बच्चे को उसके माता-पिता से ही मिलते हैं । सामान्यतः माता-पिता कहते रहते हैं कि बच्चे बिगड़ गए हैं, दोस्त, रिश्तेदार या उस जन-पहचान वाले ने बिगाड़ दिया है लेकिन इससे माता-पिता का दोष कम नहीं हो जाता क्योंकि बच्चे को अच्छे संस्कार देने का श्रेय माता-पिता को जाता है तो बच्चे में अच्छे संस्कार न होने का दोष भी उन्हीं पर ही आता है । अगर माता-पिता के दृष्टिकोण से नहीं बच्चों के दृष्टिकोण से बात करें तो कई बार माँ-बाप बच्चों में संस्कार व अनुशासन इत्यादि सिखाने में इतने आगे निकल जाते हैं कि हम अपना मूल उद्देश्य पूर्णतया भूल जाते हैं नतीजन डोर अधिक खिंच जाती है ,बच्चे में विद्रोही प्रवृत्ति पैदा हो जाती है । अति हमेशा बुरी होती है और अति से लाभ कम और हानि ज्यादा होती है। इसलिए हमेशा माता-पिता को बच्चों के साथ मित्र भाव व प्रेममय व्यवहार रखते हुए एक आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए । आज बच्चे संस्कार दादा-दादी की कहानियों से नहीं बल्कि टेलीविजन के नाटकों, फेसबुक , इंस्टाग्राम या यूट्यूब से ले रहे हैं। ऐसे में बच्चों को उचित वातावरण उपलब्ध करवाना जहाँ माता-पिता का दायित्व है, वहीं बच्चों को बुरे दोस्तों और विकृत साधनों से दूर रहते हुए अपने माता-पिता के सपनों को समझने का प्रयास करना चाहिए तथा अपना भविष्य संस्कारों की सीढ़ी चढ़ते हुए सफल बनाकर अपनी मंज़िल तक पहुँचना चाहिए । युवाओं को चाहिए कि वे संस्कारित कृत्य करते हुए स्वयं को अपने समाज के योग्य बनाकर तन, मन और मस्तिष्क से स्वस्थ रहकर अपने माँ-बाप के प्रति अपने फर्ज को निभाएं, व अपने परिवार के दुःख-शोक मिटा कर शांति और समृद्धि का रास्ता खोलें तथा अपने जीवन को सुखद तथा सुंदर बनायें।

